इज़रायल-हमास संघर्ष और इसका वैश्विक प्रभाव

प्रिलिम्स के लिये:

इज़रायल-हमास संघर्ष, गाज़ा पट्टी, होर्मुज़ जलडमरूमध्य

मेन्स के लिये:

भारत पर **इज़राइल-फिलिस्तीन संघर्ष** का प्रभाव और अंतर्राष्ट्रीय भू-राजनीतिक परिदृश्य, वैश्विक व्यापार युद्ध, तेल की कीमतों में हेरफेर।

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

चर्चा में क्यों?

हमास को समाप्त करने के लिये **गाज़ा पट्टी में इज़रायल के ज़मीनी हमले** के कारण इज़रायल-हमास के बीच चल रहा संघर्ष और बढ़ गया है। इसने संघर्ष के बाद के चरण और **वैश्विक अर्थव्यवस्था पर इसके संभावित प्रभाव** के बारे में चिंताएँ बढ़ा दी हैं।

- वैश्विक मीडिया कंपनी ब्लूमबर्ग ने संघर्ष के लिये तीन परिदृश्यों की रूपरेखा तैयार की है कि कैसे प्रत्येक परिदृश्य विश्व के देशों को प्रभावित कर सकता है।

संघर्ष के तीन संभावित परिदृश्य और उनके प्रभाव:

- **गाज़ा में सीमित संघर्ष:**
  - इस परिदृश्य में अन्य क्षेत्रों में सीमित विस्तार के साथ संघर्ष मुख्य रूप **से गाज़ा पट्टी** में स्थानीयकृत है।
  - **संभावित प्रभाव:**
    - इसके वैश्विक अर्थव्यवस्था पर सीमित एवं प्रत्यक्ष प्रभाव है, फिर भी विभिन्न असफलताओं से उबर रही वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिये यह खबर चिंताजनक है, क्योंकि केंद्रीय बैंक **मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने और आर्थिक मंदी को नियंत्रित करने के लिये संघर्ष कर रहे हैं।**
    - इस संघर्ष के परिणामस्वरूप गाज़ा में मानवीय संकट बढ़ सकता है, जिसमें बड़ी संख्या में लोग आहत हो सकते हैं, वर्तमान में मरने वाले व्यक्तियों की संख्या 8,000 से अधिक हो चुकी है।
- **ईरान समर्थित उग्रवादियों के साथ क्षेत्रीय संघर्ष:**
  - इस परिदृश्य में एक व्यापक क्षेत्रीय संघर्ष शामिल है, जिसमें लेबनान और सीरिया में ईरान समर्थित आतंकी समूहों के साथ-साथ यमन में हूती की संभावित भागीदारी शामिल है।
  - **संभावित प्रभाव:**
    - इससे कई क्षेत्रीय स्थानों पर हिंसा बढ़ सकती है, जिससे अस्थिरता और संघर्ष बढ़ सकता है।
    - तेल की कीमतें, वर्तमान कीमत 90 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल से भी ऊपर पहुँच सकती हैं।
    - विश्व स्तर पर उच्च मुद्रास्फीति दर, संभावित रूप से वैश्विक आर्थिक विकास में 0.3% अंक की कमी ला सकती है।
- **इज़राइल, ईरान और प्रमुख शक्तियों से पूर्ण युद्ध:**
  - इसके सबसे चरम परिदृश्य में क्षेत्रीय शक्तियों इज़राइल और ईरान के बीच पूर्ण पैमाने पर संघर्ष की परिकल्पना की जा रही है, जिसमें संयुक्त राज्य अमेरिका, चीन और रूस जैसी प्रमुख वैश्विक शक्तियाँ शामिल हो सकती हैं
  - **संभावित प्रभाव:**
    - यह संघर्ष मध्य पूर्व में व्यापार और वैश्विक कच्चे तेल की आपूर्ति को बाधित कर सकता है, जिससे इस क्षेत्र के कई देश एवं उनके व्यापारिक भागीदार प्रभावित होंगे।
      - विश्व की 20% से अधिक कच्चे तेल की आपूर्ति पश्चिमी एशिया से होती है, इस क्षेत्र में संघर्ष से **कच्चे तेल की कीमतें 150 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल तक बढ़ सकती** हैं।
      - **सऊदी अरब और UAE की संभावित क्षमता के बावजूद, अगर वे ईरान के साथ गठबंधन नहीं करते हैं तो इससे तेल शिपमेंट को** होर्मुज़ जलडमरूमध्य **से परिवहन में चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है, जो 48 किलोमीटर**

का शिपिंग चोकपॉइंट है, जिसके माध्यम से विश्व के कुल उत्पादन परिवहन तेल का लगभग 5वाँ हिस्सा गुजरता है।

- वर्ष 2024 **में वैश्विक मुद्रास्फीति लगभग 6.7% तक बढ़ सकती है**, जिससे संभावित रूप से **वैश्विक आर्थिक विकास में लगभग 2% की कमी की संभावना है** । इसके अलावा भारत और अमेरिका जैसे देशों के लिये गंभीर प्रभाव के परिणामस्वरूप संभावित वैश्विक मंदी की स्थिति उत्पन्न हो सकती है।

हमास:

- **परिचय:**
  - हमास एक **फिलिस्तीनी राजनीतिक सशस्त्र समूह** है **जिसकी स्थापना वर्ष 1987 में हुई** थी। यह एक उग्रवादी समूह है जो इज़रायली कब्ज़े के खिलाफ एक प्रतिरोध आंदोलन के रूप में उभरा था।
- **पृष्ठभूमि:**
  - हमास की स्थापना वर्ष 1987 में मिस्र के मुस्लिम ब्रदरहुड की एक शाखा के रूप में की गई थी जो **हिंसक जिहाद** के माध्यम से अपने एजेंडे को पूरा करना चाहता था।
    - इसने इज़रायली कब्ज़े और फतह के खिलाफ एक प्रतिरोध आंदोलन के रूप में लोकप्रियता हासिल की।
  - संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा वर्ष 1997 में **हमास** को **एक आतंकवादी संगठन** घोषित किया गया। इज़रायल और अधिकांश यूरोप सहित कई अन्य देश भी हमास के प्रति यही दृष्टिकोण अपनाते हैं।
- **विचारधारा:**
  - हमास का मानना है कि फिलिस्तीन की भूमि के किसी भी भाग का समझौता नहीं किया जाएगा और न ही उसे किसी को दिया जायेगा।
  - फिलिस्तीन की पूर्ण मुक्ति के अतिरिक्त, हमास अन्य सभी विकल्पों को अस्वीकार करता है।

इज़राइल-फिलिस्तीन संघर्ष

इज़राइल-फिलिस्तीन संघर्ष, मध्य पूर्व में क्षेत्र और आत्मनिर्णय पर एक लंबे समय से चला आ रहा भूराजनीतिक विवाद है।

शुरुआत

- **संयुक्त राष्ट्र ने वर्ष 1947 में प्रस्ताव 181**- विभाजन योजना का अंगीकरण किया
- वर्ष 1948 में इज़राइल राज्य का निर्माण हुआ, जिससे पहले अरब-इज़रायल युद्ध की शुरुआत हुई (इज़राइल को जीत हासिल हुई)
  - फिलिस्तीनी विस्थापित हुए
  - **क्षेत्र का विभाजन**- इज़राइल राज्य, वेस्ट बैंक और गाज़ा पट्टी

प्रारंभिक तनाव और संघर्ष (1956-1979)

- स्वेज़ संकट और वर्ष 1956 में सिनाई प्रायद्वीप पर इज़रायली आक्रमण
- **छह दिवसीय युद्ध (वर्ष 1967)**- इज़राइल ने सिनाई प्रायद्वीप, गाज़ा पट्टी, वेस्ट बैंक, पूर्वी येरुशलम और गोलन हाइट्स पर नियंत्रण हासिल कर लिया।

जेरूसलम के राजधानी बनाने पर विवाद

- **इज़राइल का दृष्टिकोण:** पूर्ण और एकजुट येरुशलम
- **फिलिस्तीनियों का दृष्टिकोण:** पूर्वी येरुशलम भविष्य की राजधानी

- **योम किप्पुर युद्ध (1973)**- मिस्र और सीरिया द्वारा आश्चर्यजनक हमला
- **कैंप डेविड एकॉर्ड्स (1979)** मिस्र और इज़राइल के बीच

इंतिफादा (अरबी में 'हिला देना')

- **पहला इंतिफ़ादा**- वर्ष 1987 से 1993 तक
  - **हमास (वर्ष 1987)**- एक फिलिस्तीनी राजनीतिक दल जिसे अमेरिका द्वारा एक विदेशी आतंकवादी संगठन के रूप में नामित किया गया था, की स्थापना का नेतृत्व किया
  - **प्रतिक्रिया**- मैड्रिड सम्मेलन, 1991 (अमेरिका और रूस की अध्यक्षता में)
- **दूसरा इंतिफादा**- वर्ष 2000-2005
- नवीनतम वृद्धि (वर्ष 2023) को "तीसरी इंतिफ़ादा" की शुरुआत कहा जा रहा है

ओस्लो समझौता (अमेरिका द्वारा मध्यस्थता)

- **प्रथम (1993)**
  - वेस्ट बैंक और गाज़ा में फिलिस्तीनी स्वशासन के लिये ESTD ढाँचा
  - इज़राइल और फिलिस्तीन के बीच पारस्परिक मान्यता को सक्षम बनाया गया
- **दूसरा (1995)**
  - ओस्लो I समझौते पर विस्तारित
  - वेस्ट बैंक के कई शहरों और कस्बों से इज़राइल की पूर्ण वापसी अनिवार्य है

वर्ष 2000 के बाद का संघर्ष और प्रतिक्रियाएँ

- 2013- अमेरिका के नेतृत्व में शांति प्रक्रिया शुरू हुई
- 2014-18- गाज़ा संघर्ष (2014)
  - फिलिस्तीन ने ओस्लो समझौते (2015) के तहत क्षेत्रीय विभाजन से अलग होने की घोषणा की
- 2018-20- अमेरिका ने संयुक्त राष्ट्र राहत एवं कार्य एजेंसी (UNRWA) के तहत फिलिस्तीनी शरणार्थियों के लिये फंडिंग रद्द कर दी
  - अमेरिका ने **"शांति से समृद्धि"** योजना का प्रस्ताव रखा
- 2020: अब्राहम समझौता
- 2022-2023:
  - इज़राइल ने जेनिन शरणार्थी शिविर पर किया हमला
  - हमास ने **"ऑपरेशन अल-अक्सा फ्लड"** लॉन्च किया तथा इज़राइल ने **"ऑपरेशन आयरन स्वॉर्ड्स"** लॉन्च किया (दोनों वर्ष 2023 में)
    - इज़राइल ने युद्ध की स्थिति घोषित कर दी
  - **भारत का रुख:**
    - इज़राइल और फ़िलिस्तीन के लिये दो राज्य समाधान का समर्थन करता है
    - हाल ही में इज़राइल पर हमास के हमले की निंदा की

Drishti IAS

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

[illegible]:

प्रश्न. भूमध्य सागर नमि्नलखिति में से कनि देशों की सीमा है? (2017)

1. जॉर्डन
2. इराक

3. लेबनान
4. सीरिया

निम्नलिखित कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनिये:

(a) केवल 1, 2 और 3
(b) केवल 2 और 3
(c) केवल 3 और 4
(d) केवल 1, 3 और 4

उत्तर: (c)

प्रश्न. दक्षिण-पश्चिम एशिया का निम्नलिखित में से कौन-सा एक देश भूमध्यसागर तक फैला नहीं है? (2015)

(a) सीरिया
(b) जॉर्डन
(c) लेबनान
(d) इज़रायल

उत्तर: (b)

प्रश्न. कभी-कभी समाचारों में उल्लिखित पद "टू-स्टेट सोल्यूशन" किसकी गतिविधियों के संदर्भ में आता है? (2018)

(a) चीन
(b) इज़रायल
(c) इराक
(d) यमन

उत्तर: (b)

?????:

प्रश्न. “भारत के इज़रायल के साथ संबंधों ने हाल ही में एक ऐसी गहराई एवं विविधता प्राप्त कर ली है, जिसकी पुनर्वापसी नहीं की जा सकती है।” विवेचना कीजिये। (2018)

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/israel-hamas-conflict-and-its-global-impact